mardi 15 mai 2012

HIN2B09b

(Compréhension de l'écrit)

Cours –13

1. Que veulent dire les expressions suivantes (12).

खून-पसीने की कमाई ce qu'on a gagné de dur labeur
बर्बाद करना détruire
करंट लगना être choqué
पचड़े में पड़ना tomber dans un imbroglio
एकमत होना être de même avis, uni
किसी चीज़ को तवज्जो देना donner de l'attention
नकद नारायण l'argent-dieu
तिलांजलि देना abandonner
अंगड़ाई लेना se réveiller
प्रोत्साहित करना encourager
हासिल करना acquérir
रुपया बहाना gaspiller de l'argent
विराम देना arrêter quelque chose
किसी की भेंट चढ़ना être sacrifié
मंजूरी देना donner son accord

2. Donnez les synonymes en hindi

उद्गम=स्रोत	प्रतिबिंब=छाया	दिनचर्या=दिन का कार्यक्रम	उपलब्ध=जो मिलता है
जीवनयापन=पैसा कमाना	नरकंकाल=हड्डियाँ	झंझट=मुश्किल	लुप्तप्राय=कम होनेवाला
समुचित=अच्छी तरह	नकद नारायण=पैसा भगवान	अनिवार्य=ज़रूरी	खाद्य उत्पाद=खाने की चीज़

3. Remplacez les mots anglais par des équivalents hindi (réponses)

सीवेज डिस्चार्ज sewage discharge गंदगी का बहना
कैंटीन canteen भोजनालय
ब्यूटिफ़ुल beautiful सुंदर
फ़ोरेन foreign विदेशी
सेलेरी salary वेतन
मेगेज़ीन magazine पत्रिका
डिश dish पकवान
डिस्टर्ब disturb छेड़ना
स्टीमर steamer नाव
स्कूल school विद्यालय
लैबोरेटरी laboratory प्रयोगशाला
एक्शन प्लान action plan काम की योजना

4. Répondre aux questions suivantes en français en identifiant les mots clés en hindi.

बीटी बैंगन पर रोक - देश में पिछले पाँच महीने से चल रहे बीटी बैंगन विवाद का थमना s'arrêter राष्ट्र के लिए सुखद है। यह राष्ट्र के लिए और भी हितकर bénéfique है कि विवाद बीटी बैंगन पर रोक के निर्णय décision पर खत्म हुआ है। निर्णय इसलिए उचित approprié प्रतीत semble होता है कि बीटी बैंगन के परिणाम और दुष्परिणाम के बारे में कोई भी अधिकृत autorisé तौर पर वाकिफ au courant नहीं था-न सरकार, न राजनेता और न विशेषज्ञ वैज्ञानिक। देश की आनुवांशिकी génétique इंजीनियरिंग संस्था ने इसे हरी झंडी drapeau vert जरूर दी थी, लेकिन यह साबित हो गया कि उसने भी कई स्तर niveau पर कमियाँ lacune छोड़ दी थीं। इस मुद्दे से जुड़े कई पहलुओं का विश्लेषण analyse उस वैज्ञानिक व तकनीकी दृष्टिकोण perspective से नहीं किया गया था, जिसकी कि अपेक्षा attente ऐसी संस्था से की जाती है।

बीटी बैंगन का विरोध opposer करने वाले देश के बारह राज्यों के रवैये attitude को सिर्फ इसलिए खारिज rejeter नहीं किया जा सकता था कि इनमें ज्यादातर गैर कांग्रेस शासित gouverné थे। थोड़ी राजनीति जरूर हो सकती है, लेकिन इनमें ज्यादातर का विरोध वास्तविक réel चिंता souci का कारण था। जब देश की किसी मशीनरी को पता नहीं हो कि इस तरह के बैंगन की व्यावसायिक commercial खेती agriculture से मानव शरीर पर किस तरह के दीर्घकालीन à long terme दुष्परिणाम mauvais résultats पड़ेंगे, तो इसका विरोध होना ही चाहिए था। बीटी बैंगन खुद आधुनिक व वैज्ञानिक युग époque की देन don है, तब कैसे दीर्घकालीन वैज्ञानिक आकलन évaluation के बिना किसी चीज को स्वीकार accepter किया जा सकता था।

mardi 15 mai 2012

राज्य और उनकी सरकारें राजनीतिक हो सकते हैं, स्वयंसेवी volontaire संस्थाओं के राजनीतिक हित हो सकते हैं, लेकिन जब देश का वैज्ञानिक जगत जब बीटी बैंगन पर रोक के निर्णय का खुलकर स्वागत accueillir करे, तो फिर कोई संशय doute शेष नहीं रह जाता। उल्लेखनीय है कि देश के वैज्ञानिकों का मानना था कि बीटी बैंगन के संबंध में उपलब्ध जानकारी पर्याप्त insuffisant नहीं है। बीटी बैंगन मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक nocif ही है, ऐसा भी नहीं है, लेकिन इस निष्कर्ष résultat पर पहुंचने के लिए इसमें और अनुसंधान recherche की जरूरत है तथा इसके लिए समय चाहिए। इस संबंध में विख्यात connu वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की इस राय का उल्लेख mention अनावश्यक inutile नहीं होगा कि हमें बीटी बैंगन के पूरे फायदे bienfait व नुकसान dégât का ही पता नहीं है, तो लोकतांत्रिक देश में इसके बिना इसे कैसे लागू mettre en vigueur, implémenter किया जा सकता था। पाँच महीने इसके गवाह हैं कि केंद्र व केंद्र के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश की तरफ से देश को इसके लिए बाध्य obliger करने का पूरा दबाव pression डाला जा रहा था।

यही कारण रहा कि उन पर इस बैंगन को विकसित développer करने वाले मायको Myco और मोनसांतो बायोटेक Monsanto biotec का दलाल intermédiaire होने के आरोप accusation भी लगे। उनका आचरण comportement व रवैया attitude तानाशाहों dictateur जैसा ही था, तभी वे विरोध करने वालों पर बिफर se fâchent रहे थे और उन्हें मानसिक mental बीमार की संज्ञा nom दे रहे थे। इस मुद्दे पर संपूर्ण देश से सामने आ रहे पूरे विरोध को केंद्र सरकार व उसके प्रतिनिधि représentant राजनीति से प्रेरित motivé मानने की भूल कर रहे थे। यही कारण रहा कि वे इसे किनारे कर बीटी बैंगन की व्यावसायिक खेती को अनुमति देने की जल्दबाजी hâte में नजर आ रहे थे। उम्मीद करनी चाहिए कि जयराम रमेश ने जिस तरह खुले दिल व उदारता générosité/largesse d'esprit से बीटी बैंगन विवाद का पटाक्षेप mettre fin किया है, इसे आगे भी जारी रखा जाएगा।

1. Pourquoi la décision paraît être appropriée?
2. Pourquoi les états de l'union indienne opposent la culture de l'aubergine BT ?
3. Que pense l'établissement scientifique et quelle est sa position en la matière ?
4. Quel est l'avis de Swaminathan?
5. Quelle est le rôle du ministre de l'environnement ? Que veut-il ? (2 actions)

5. Résumez les points importants (au moins 4) de l'article (phrases complètes SVP).